ज्ञान. आवाज़. लोकतंत्र.
प्रिया

केस स्टडी

“किशोरी शक्ति योजना”

दिनांक – 06–06–2019

स्थान – बांसवाड़ा –राजस्थान

सहयोग

dasra

Azim Premji Philanthropic Initiatives

सरकार द्वारा देश के चुनिंदा 200 जिलों में किशोरी शक्ति योजना का संचालन किया जा रहा है । इन जिलों में किशोरी बालिकाओं को दो श्रेणियों 11 से 14 तथा 15 से 18 वर्ष की दो श्रेणियों में बांटा गया ताकि किशोरी शक्ति योजना के तहत आंगनवाड़ी केन्द्रों के जरिए इन किशोरियों का समूह निर्माण कर उन्हें जागरूक व आत्मनिर्भर बनाया जा सकें। आई.सी.डी.एस. परियोजनाओं के अंतर्गत इसके लिए कई प्रकार की सूचना, शिक्षा एवं संचार (IEC) समग्रियों का निर्माण भी किया गया है, जिसे मुख्य तौर पर माहवारी, प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य तथा परिवारिक मामलों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है । किशोरी शक्ति योजना को ध्यान में रखकर जब प्रिया ने बांसवाड़ा के गामड़ी पंचायत में किशोरियों के साथ बैठक का आयोजन किया तो कई महत्वपूर्ण तथ्यों का पता चला ।

ग्राम पंचायत गामड़ी में कुछ किशोरी बालिकाओं के साथ दिनांक 06.06.2019 को किया गया, जिसमें सर्वप्रथम खेल के माध्यम से सभी से परिचय किया गया । परिचय सत्र के बाद उनसे यह जानकरी ली गई कि क्या वे विद्यालय जाती है या नहीं। उनमें से कुछ बालिकाओं ने बताया कि जी हम स्कुल जाते है। बालिकाओं में कक्षा सातवीं से लेकर 11 वीं तक की लड़कियां थी । उनमें से कुछ ने बताया कि हमने पढ़ाई छोड़ दी है। इसके पश्चात उनसे सेनेटरी नेपकिन को लेकर बात की गई इसमें उनसे पूछा गया कि क्या आपको स्कुल में पेड के बारे में बताया गया है, क्या आपको इसके उपयोग के बारे में जानकारी है । आपको सेनेटरी नेपकिन स्कूल में दिए जाते है या नहीं ? उनमे से कुछ ने बताया कि जी इसके बारे में मैडम ने बताया है और हमे दिए भी जाते है । पहले वो लड़कियां बताने में थोड़ा हिचकिचा रही थी, फिर कुछ देर बाद संकोच हटने पर उन्होंने खुलकर चर्चा की । उनसे पूछा गया कि आप उपयोग के बाद पैड को किस तरह नष्ट करते हो ? उनमे से कुछ ने यह भी कहा कि हम कपड़े का इस्तेमाल करते है । फिर उनसे चर्चा हुई कि क्या आप आगनवाड़ी केंद्र पर कभी जाते हो, क्या कभी आशा ने पैड के बारे में आपको जानकारी दी है ? उन्होंनें बताया कि वे आंगनवाड़ी केंद्र पर नहीं जाते है और न ही उन्हें कभी आगनवाड़ी केंद्र पर बुलाकर जानकारी दी गई। इन सब चर्चा के बाद उन सब बालिकाओ ने मिलकर यह निश्चय किया की दिनांक 10.06.2019 को वे महावारी के विषय पर बैठक का आयोजन करेंगी । इस तरह से गामड़ी के वार्ड 3 में रावजी भाई के घर पर मीटिंग की प्लानिंग की गई, जिसमें स्वयं वार्ड मेंबर भी उपस्थित थी।

उपरोक्त बैठक से मिली जानकारी के आधार पर श्रीमती रंजना कुमावत एल.एच.वी., तलवाड़ा से मुलाकात कर हमने उनसे पूछा कि किशोरी शक्ति योजना के तहत अभी तक क्या कार्य हुए है । इस पर श्रीमती रंजना जी ने बताया कि किशोरी शक्ति योजना के तहत चलने वाले कार्यक्रम बांसवाड़ा व तलवाड़ा ब्लॉक की पंचायतों में अभी संचालित नहीं हो रहे है । इसके लिए हम कोशिश कर रहे है लेकिन कोई रिजल्ट देखने को नहीं मिल रहा है । उनकी बातों को सुनते हुए उनको गामड़ी पंचायत में प्रिया द्वारा किशोरी समूह के साथ किये जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया कि प्रिया द्वारा गामड़ी पंचायत में किशोरीयों के साथ लागातार बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इस पर श्रीमती रंजना जी ने कहा कि हमें भी आप से ये मदद चाहिए ताकि हम पंचायत में किशोरी समूह बनाकर उनकों स्वास्थ्य के प्रति जागरुक कर सकें।

पूर्व बैठक में किशोरी बालिकाओं के द्वारा तय तिथि 10.06.2019 को ग्राम पंचायत गामड़ी के नई आबादी वार्ड 3 में किशोरी बालिकाओं के साथ बैठक रखी गई, जिसमें वार्ड 2 की भी किशोरी बालिकाएँ उपस्थित हुई। बैठक की शुरुआत सभी के परिचय से करते हुए किशोरियों से उनके स्वास्थ्य को लेकर बात करते हुए उन्हें मासिक धर्म से सबंधित वीडियो दिखाई गई । वीडियो खत्म होने के बाद सभी किशोरियों से मासिक धर्म को लेकर बातचीत की गई । इस बैठक में स्कूल जाने वाली और नहीं जाने वाली दोनों ही प्रकार की बालिकाएँ थी। फ़िल्म दिखाने के बाद उनसे कुछ सवाल किये गए...

1. क्या आप कभी आगनवाड़ी केन्द्र पर जाते हो ?
2. क्या आपको आगनवाड़ी केन्द्र पर मिलने वाली सुविधाओ, संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी है ?
3. क्या आपको मासिक धर्म के बारे में जानकारी है ?
4. क्या कभी इस पर आगनवाड़ी कार्यकर्ता ने आपसे चर्चा की है ?
5. क्या स्कूल में इस पर चर्चा होती है ?

इन सवालों के बाद उनमें से कुछ लड़कियो ने बताया कि हम आगनवाड़ी केन्द्र पर नहीं जाते है और न ही कभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से मासिक धर्म पर चर्चा हुई है । स्कूल जाने वाली बालिकाओं ने बताया कि स्कूल में भी इसके बारे कभी खुल कर बातचीत नहीं की गई है । इन सब चर्चा के पश्चात

बालिकाओं को "किशोरी शक्ति योजना" के बारे में बताया गया कि इसमें किशोरियों का ही समूह बनाया जाता है जो कि आगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर स्कूल नहीं जाने वाली किशोरियों को लेकर बनाया जाता है । इसमें कम से कम 7 लड़कियों का होना आवश्यक है । इस योजना के अन्तर्गत किशोरियों को आयरन फोलिक एसिड की गोलियां व सेनेटरी नेपकिन मिलते है । साथ ही किशोरी बालिकाओं का एक किशोरी कार्ड भी बनाया जाता है । लेकिन यहां अभी तक कोई किशोरी समूह नहीं बना है । चर्चा के बाद उपस्थित सभी किशोरियों ने ये फैसला किया कि हम एक और बैठक बुलाएंगे, जिसमें किशोरी शक्ति समूह का गठन किया जाएगा । वार्ड 2 में 21 जुन 2019 को प्रातः 10 बजे बैठक का आयोजन होगा । इस बैठक की जिम्मेदारी वार्ड 3 की किशोरी रेखा व् वार्ड 2 की किशोरी दुर्गा व् शीलू ने लिया और कहा कि वे इस बैठक में ज्यादा से ज्यादा किशोरी बालिकाओं को बुलाएगी । इस बैठक को वार्ड नं 2 में शीलू के घर पर रखे जाने का निर्णय हो ही रहा था तभी बैठक को सुन रहे वार्ड नं 2 के निवासी पृथ्वीराज जी ने कहा कि आप सब ये बैठक मेरे घर पर रखिए वहाँ पर आस-पास की बहुत सी किशोरी बालिकाएँ है जो जल्द इक्ठ्ठा हो जाएगी और शीलू का घर भी पास में ही है । उनकी बात पर उपस्थित सभी किशोरियों ने सहमती देते हुए ये तय किया कि हम 21 तारिख को वार्ड नं 2 में पृथ्वीराज जी घर पर सुबह दस बजे मिलेगें ।

21 तारीख को शीलू के घर के पास सभी किशोरी बालिकाएँ अपने सखियों के साथ उपस्थित हुई। जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा उपस्थित सभी किशोरी बालिकाओं का वजन नापा गया और आइरन व कैल्शियम की गोलियां सबको मुफ्त वितरित की गई । मासिक धर्म के समय होने वाली परेशानियों पर पुनः चर्चा करते हुए, प्रत्येक माह के 21 तारिख को मिलना तय किया गया । इस बैठक के बाद से ग्राम पंचायत गामड़ी के आंगनवाड़ी केन्द्र पर किशोरी शक्ति समूह की नियमित बैठकों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें किशोरियों को होने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी जैसे - कम उम्र में शादी, माहवारी को लेकर, बढ़ते उम्र में होने वाले बदलाव पर चर्चा के साथ-साथ आयरन व कौल्शियम की गोलियों का वितरण व उनकी जांच भी हो रही है ।